Amount spent on Screening Picture on T.V. Centre, Madras

8192. SHRI G. BHUVARAHAN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) amount spent on screening pictures on Madras T. V. Centre during the last three years; and

(b) the amount spent on Tamil films during the same period?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) An amount of Rs. 11,08,000/- was spent by Madras Doordarshan Kendra during the period 15-8-1975 to 31-3-1978 on screening language pictures. (The Kendra was inaugurated on 15-8-1975 and has not completed 3 years)

(b) Of the above mentioned amount, Rs. 6,31,000 was spent on Tamil films.

कोयला खानों में काम कर रहे ठेकेदारों को मुआवजा

8193. श्री सुभाष आहूजा : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार उन कोयला खान मालिको को मुआवजा देने का है, कोयला खानो के राष्ट्रीयकरण के बाद जिनकी सम्पत्तियो का अधिग्रहण कर लिया गया था;

(ख) क्या राष्ट्रीयकरण के समय, यह आश्वासन दिया गया था कि कोयला खानो में काम कर रहे छोटे ठेकेदारों की सम्पत्तियो का अधिग्रहण नही किया जायेगा, परन्तु इस आश्वासन के बावजूद सरकार ने उनकी सम्पत्तियों का अधिग्रहण कर लिया; और

(ग) यदि हां, तो क्या कोयला खानों मे काम कर रहे छोटे ठेकेदारों को भी मुआवजा दिया जायेगा ?

ऊर्जा मंत्री (श्री पी० रामचन्द्रन) : (क) कोयला खान राष्ट्रीयकरण अधिनियमो मे प्रत्येक राष्ट्रीयकृत कोयला खान के मालिक को दी जाने वाली धनराशि का उल्लेख है। निर्दिष्ट धनराशि का भुगतान इस अधिनियम के अधीन नियुक्त भुगतान आयुक्त द्वारा उन दावों को पूरा करने के बाद किया जायेगा जो इस अधिनियम के अधीन मालिको के खिलाफ दायर किये गये हैं।

(ख) राष्ट्रीयकरण अधिनियम में "खान" की परिभाषा मे खान मे अथवा उसकी समीपवर्ती तथा खान के लिए प्रयुक्त होने वाली सभी भूमि का, इमारतें, मशीनें, भंडार आदि शामिल है। तदनुसार ऐसी सभी मशीने, उपकरण और अन्य परिसम्पत्तियां जो खान मे अथवा उसके पास थी और जिनका उपयोग खान के लिए किया जाता था, राष्ट्रीयकरण होने पर सरकार में निहित हो गई हैं।

(ग) अधिनियमो मे उल्लिखित धनराशि में, उन सभी परिसम्पत्तियो पर देय धनराशि शामिल है जो सरकार मे निहित हो गई है।

राष्ट्रीय कपड़ा नीति

8195. श्री गंगाभक्त सिंह : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद 30 वर्ष बीत जाने के बाद भी सरकार एक राष्ट्रीय कपडा नीति बनाने मे विफल रही है,

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और राष्ट्रीय कपडा नीति तैयार करने के लिए सरकार ने क्या कार्यवाही की है, और